अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) मोहनीय कर्म का उदय, उपशम, क्षायिक, क्षयोपशम निष्पन्न किस-किस गुणस्थान तक?

(ख) चौदह गुणस्थानों में आश्रव और संवर के बोल कितने-कितने पाते हैं?

(ग) तेईस पदवी कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) आठ आत्मा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन? तथा मूलगुण, उत्तरगुण कितनी?

(ग) पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(घ) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) आठ आत्मा में उदय भाव कितनी, यावत् पारिणामिक भाव कितनी?

(ख) जीव पदार्थ कितने भाव? यावत् मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

(ग) सम्यक्त्व, मिथ्यात्व कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) चतुरिन्द्रिय।

(ख) कृष्ण लेश्यी।

(ग) औपशमिक सम्यक्त्वी।

(घ) अनाहारक।

(ड़) अपरीत।

(च) अवधि दर्शनी।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें (कितने व कौन-कौन से पाते हैं)– 5

(क) मतिज्ञानी में गुणस्थान व उपयोग?

(ख) संयति में योग व दण्डक?

(ग) अचरम में भाव व आत्मा?

(घ) माया कषायी में उपयोग व लेश्या?

(ड़) पृथ्वीकाय में योग व उपयोग?

(च) सिद्धों में भाव व आत्मा?

(छ) नारकी में जीव के भेद व उपयोग?

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) पुण्य किसे कहते हैं?

(ख) अनुकम्पा किसे कहते हैं?

(ग) नौकर-चाकर से आरम्भ-समारम्भ न कराना–यह नियम कौन-सी श्रावक प्रतिमा में है?

(घ) छेद कितने हैं? नाम लिखें।

(ड़) चार इन्द्रिय वाले जीव में योग कितने व कौन-कौन से पाते हैं?

(च) पंचेन्द्रिय के जीव संज्ञी या असंज्ञी?

(छ) निक्षेप किसे कहते हैं?

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आगम किसे कहते हैं? बारह अंगों के नाम लिखें।

(ख) धर्म-अधर्म द्वार अनगार धर्म के पांच भेद तक लिखें।

(ग) सम्यक् दर्शन द्वार सम्यक्त्व के दूषण तक लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) श्रावक चिन्तन द्वार लिखें।

(ख) प्रत्यक्ष किसे कहते हैं? उसके प्रकारों को भेद सहित लिखें।

(ग) दोहा पूर्ण करें–चोर तीनूं.....रो नेम।।

(घ) चारित्र के अधिकारी कौन हैं तथा वे कितने प्रकार के हैं?

(ड़) एक इन्द्रिय वाले जीवों में प्राण, शरीर, योग कितने पाते हैं? लिखें।

(च) श्रावक की प्रथम तीन प्रतिमा विधि सहित लिखें।

(छ) दोहा पूर्ण करें–श्रावक.....गटको रे।।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 8

प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्न हल करें–

पच्चीस बोल

(क) अठारहवां बोल।

(ख) जीव का चौथा भेद।

(ग) बन्ध के प्रकार।

चतुर्भंगी

(घ) निर्जरा जीव या अजीव?

(ड़) किस भांगा के जीव कम? किस भांगा के जीव अधिक?

(च) इन्द्रिय किस कर्म का उदय?

पच्चीस बोल की चर्चा (किसमें और कौन-कौन से?)–

(छ) जीव के सात भेद किसमें?

(ज) दो ध्यान किसमें?

(झ) पांच गुणस्थान किसमें?

तत्त्व चर्चा–

(ञ) धर्म पुण्य या पाप?

(ट) हिंसा छः में कौन? नौ में कौन?

(ठ) श्रावक तपस्या का पारणा करे वह व्रत में या अव्रत में?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर दें– 12

(क) **प्रतिक्रमण–**

वंदना आवश्यक लिखें।

अथवा

श्रावक का नौवां व्रत और अतिचार लिखें।

(ख) **जैन तत्त्व प्रवेश–**

भाव द्वार में औपशमिक तथा क्षायिक भाव लिखें।

अथवा

षड्द्रव्य द्वार में जीवास्तिकाय तक लिखें।

(ग) **कर्म प्रकृति–**

वेदनीय कर्म की स्थिति व गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

अथवा

त्रसदशक की प्रथम आठ प्रकृतियां व्याख्या सहित लिखें।